This question paper carries two printed pages.

Roll no. ……

अनुक्रमांक……...

Name of the course: BA (Hons) Philosophy
Semester: IV
Title of the Paper: Texts of Indian Philosophy
Unique Paper Code: 12101401

Write your roll number on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत अपना रोल नंबर शीर्ष पर लिखें

Duration: 2 hours Maximum Marks:75

Note: Answers may be written in either English or in Hindi but the same medium should be used throughout the paper
टिपण्णी: उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए|

Attempt any four questions and every question carries equal marks.
किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर दीजिये और प्रत्येक प्रश्न की अंक सामान हैं|

1. With reference to *Nyāyabinduṭīkā*, explain the introductory verse: *samyagjňānapūrvikā sarvapuruṣārthasiddhir*.
   न्यायबिंदुटीका के संदर्भ में इस पारिभाषिक वाक्य की व्याख्या करें: समयगज्ञानपूरविका सर्वपुरुधुधसिद्धिधीर|

2. Explain the *kalpanāpoḍham* characteristic of perception in context of *Nyāyabinduṭīkā*.
   न्यायबिंदुटीका के संदर्भ में प्रत्यक्ष की कल्पनापोढम विशेषता की व्याख्या करें।

3. What is the nature of object of perception in Dharmakīrti's philosophy? Explain.
   धर्मकीर्ति के दर्शन में प्रत्यक्ष के वस्तु का स्वरूप क्या है? स्पष्ट कीजिए।

4. Discuss the four varieties of direct knowledge with reference to *Nyāyabinduṭīkā*.
   न्यायबिंदुटीका के संदर्भ में प्रत्यक्ष ज्ञान के चार प्रकार पर चर्चा करें|

5. In context of *Nyāyamaňjarī*, explain the process and varieties of inference.

न्यायमंजरी के संदर्भ में, अनुमान की प्रक्रिया और प्रकार की व्याख्या करें।

6. Give a detailed account of Jaina theory of *naya* in reference with *Syādvādamañjarī*.

सयादवादमंजरी के संदर्भ में नय के सिद्धांत का विस्तृत विवरण दें।